

B.A. (S-III)/H/2021/CC-VI(CBCS) (Sanskrit)

B. A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC VI

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as directed in the question paper.

1. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं षष्ठां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु द्वयं संस्कृतभाषया समाधेयम्।
(निम्नलिखित प्रश्नसमूहের মধ্যে যে কোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। ছয়টি প্রশ্নের মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দাও।) 5×6=30
- a) चरणविश्लेषणपूर्वकं छन्दोनिर्णयः कर्तव्यः।
(চরণ বিশ্লেষণ করে ছন্দ নির্ণয় করো।)
भावस्तिराणि जनानामुत्तरसौहार्दानि।
- b) 'तासां पूर्वा ग्राह्या गुणसाकल्यात्'—सूत्रमिदं व्याख्यायताम्।
('तासां पूर्वा ग्राह्या गुणसाकल्यात्'—सूत्रं व्याख्या कर।)
अथवा
'न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्'—सूत्रमिदं व्याख्यायताम्।
('न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्'—सूत्रं व्याख्या कर।)
- c) 'सतृणाभ्यवहारी' इति पदस्य मुख्यगौणार्थद्वयं विशदीक्रियताम्।
('सतृणाभ्यवहारी' এই পদের মুখ্য ও গৌণ অর্থ কি কি?)
- d) 'विशिष्टा पदरचना रीतिः' इति सूत्रे 'विशिष्टा' इति पदस्य कोऽर्थः?
('विशिष्टा पदरचना रीतिः' এই सूत्रে 'विशिष्टा' পদটির অর্থ কি?)
- e) साम्यवैषम्यं निरूपयताम्।
(সাম্যবৈষম্য নিরূপণ কর।)
दृष्टान्त—निदर्शना।
- f) का नाम गौड़ीया रीतिः? का नाम पाषाणली रीतिः?
(গৌড়ীয়া রীতি কাকে বলে? পাষণলী রীতি কাকে বলে?)
- g) रूपकालंकारस्य लक्षणनिर्देशपूर्वकम् उदाहरणं प्रदीयताम्।
(রূপক অলংকারের লক্ষণ নির্দেশ পূর্বক উদাহরণ দাও।)

h) अलंकारो निर्णयताम्—

(अलंकार निर्णय कर—)

बृहत्सहायः कार्यास्तुं क्षेदीयानपि गच्छति।

सञ्ज्याञ्जोधिभोति महानद्या नगापगा।।

अथवा

मधुरः सुधावदधरः पल्लवतुल्योऽतिपेलवः पाणिः।

चकितमृगलोचनाभ्यां सदृशी च चपले लोचने तस्याः।।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु त्रयाणाम् उत्तरं देयम्।

(निम्नलिखित प्रश्नसमूहের মধ্যে যে কোন তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

10×3=30

a) বামনমতানুসারেণ ‘কাব্যাস্তানি’ আলোচ্যস্তাম্।

(বামনের মত অনুসারে কাব্যাস্ত সমূহের আলোচনা কর।)

b) ‘সৌন্দর্যমলংকারঃ’—ব্যখ্যাতাম্।

(‘সৌন্দর্যমলংকারঃ’—ব্যখ্যা কর।)

c) কাবস্য ভেদঃ আলোচ্যতাম্।

(কাব্যের ভেদ আলোচনা কর।)

d) মলিনীমন্দাক্রান্তয়োঃ লক্ষণোদাহরণপুরঃসরম্ আলোচনা করণীয়া।

(মালিনী ও মন্দাক্রান্তা ছন্দের লক্ষণ ও উদাহরণ আলোচনা কর।)

e) শ্লেষাতিশয়োক্তয়োঃ লক্ষণোদাহরণপুরঃসরম্ আলোচনা করণীয়া।

(শ্লেষ ও অতিশয়োক্তি অলংকারের লক্ষণ ও উদাহরণ আলোচনা কর।)
